आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु किसान भाइयों हेतु जारी की एडवाइजरी

19/01/2021

कानपुर(दीपक गौड़)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कल्याणपुर स्थित साकभाजी विज्ञान विभाग के फसल रोग वैज्ञानिक डॉ0 एम0आर0 डबास एवं कीट वैज्ञानिक डॉक्टर आर0के0 पाल ने आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु किसान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी की है उन्होंने

बताया कि मौसम में त्वरित बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है उन्होंने कहा कि आलू फसल में पछेती झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं जिससे आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना है अतः किसान भाई पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0.2% के मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर दें फसल की वैज्ञानिक डॉ आर के पाल ने किसानों को सलाह दी है कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03% घोल को कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0.2% के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करें डॉक्टर डबास ने किसानों को सलाह दी है कि जब तक मौसम में बदली और उतार-चढ़ाव रहे तब तक आलू की फसल की देखरेख अत्यंत आवश्यक है

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 12 अंक : 99 कानपुर देहात,मंगलवार 19,जनवरी,2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

आलू में झुलसा रोग प्रबंधन हेतु एडवाइजरी जारी

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कल्याणपुर स्थित साकभाजी विज्ञान विभाग के फसल रोग वैज्ञानिक डॉ एम आर डबास एवं कीट वैज्ञानिक डॉ आर के पाल ने आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु किसान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि मौसम में त्वरित बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि आलू फसल में पछेती झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं। जिससे आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना है। अतः किसान भाई पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोजेब 0.2: के मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर दें। फसल की वैज्ञानिक डॉ आर के पाल ने किसानों को सलाह दी है कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है। अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03: घोल को कवकनाशी साईंमॉक्सीनिल एवं मैनकोजेब 0. 2: के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर डबास ने किसानों को सलाह दी है। कि जब तक मौसम में बदली और उतार–चढ़ाव रहे तब तक आलू की फसल की देखरेख अत्यंत आवश्यक है।

बदला मौसम, फसलों पर पड़ सकता है प्रतिकूल प्रभाव

जन एक्सप्रेस संवाददाता

19/01/2021

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साकभाजी विज्ञान विभाग के फसल रोग वैज्ञानिक डॉ. एम.आर. डबास एवं कीट वैज्ञानिक डॉ. आर. के. पाल द्वारा सोमवार को किसानों के लिए आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन पर एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि मौसम में हुए बदलाव से फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जिससे फसल में पछेती झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ने के कारण आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि इससे बचाव के लिए किसान कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0.2 फीसदी के मिश्रण का छिड़काव करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि सफेद मक्खी द्वारा वायरस रोग का प्रसार होता है। अतः रोग के एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.03 फीसदी घोल को कवकनाशी साईंमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0.2 फीसदी के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।

अमर उजाला
मंगलवार • 19.01.2021 05
kanpur.amarujala.com

सीएसए का दीक्षांत समारोह आठ मार्च को

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आठ मार्च को होगा। समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल समेत कई विशिष्ट लोगों को बुलाने की तैयारी चल रही है। संस्थान प्रशासन ने मेडल पाने वाले मेधावियों की सूची संस्थान के पोर्टल पर अपलोड करा दी है। किसी छात्र को इन नामों पर आपत्ति है तो वह प्रमाण के साथ कुलसचिव कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकता है।

स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची जारी, छात्र दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

सहायक कुलसचिव एसके श्रीवास्तव ने बताया कि बीएससी ऑनर्स में सर्वोच्च अंक हासिल करने वाली शैल्वी वर्मा को राय साहब गजोधर मेमोरियल स्वर्ण पदक दिया जाएगा। उनके ओवरऑल ग्रेड प्वाइंट एवरेज (ओजीपीए) 8.40 हैं। पादप रोग विज्ञान विभाग में सर्वाधिक अंक पाने वाली मांडवी श्रीवास्तव को डॉ. कीर्तिकर स्मारक स्वर्ण पदक और प्लांट प्रोटेक्शन विषय में सबसे ज्यादा नंबर लाने वाले शुभम सचान को स्वर्ण पदक मिलेगा।

प्लांट ब्रीडिंग एवं जेनेटिक्स में सर्वाधिक अंक पाने वाले अक्षयवर सिंह को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में अभिषेक सिंह, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में राहुल शाक्य, कंप्यूटर साइंस में अंजू कुशवाहा, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में सौम्या अग्रहरि, डेयरी टेक्नोलॉजी में विशाल अग्रवाल को स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

आलू फसल को झुलसा रोग से बचाने को किसानों के लिए सीएसए ने जारी की एडवाइजरी

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कल्याणपुर स्थित साकभाजी विज्ञान विभाग के फसल रोग वैज्ञानिक डॉक्टर एमआर डबास एवं कीट वैज्ञानिक डॉक्टर आरके पाल ने आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन के लिए किसानों के हित को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है।

उन्होंने बताया कि मौसम में त्वरित बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि आलू फसल में पछेती झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं। जिससे आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना है। अतः किसान भाई पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवक नाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0.2 प्रतिशत के मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर दें। फसल की वैज्ञानिक डॉ आर के पाल ने किसानों को सलाह दी है कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है। अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03प्रतिशत घोल को कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0.2 प्रतिशत के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर डबास ने किसानों को सलाह दी है। कि जब तक मौसम में बदली और उतार.चढ़ाव रहे तब तक आलू की फसल की देखरेख अत्यंत आवश्यक है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कल्याणपुर स्थित साकभाजी विज्ञान विभाग के फसल रोग वैज्ञानिक डॉक्टर एमआर डबास एवं कीट वैज्ञानिक डॉक्टर आरके पाल ने आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु किसान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि मौसम में त्वरित बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि आलू फसल में पछेती झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं। जिससे आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना है। अतः किसान भाई पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0ण्2ः के मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर दें। फसल की वैज्ञानिक डॉ आर के पाल ने किसानों को सलाह दी है कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है। अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0ण्03ः घोल को कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0ण्2ः के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर डबास ने किसानों को सलाह दी है। कि जब तक मौसम में बदली और उतार.चढ़ाव रहे तब तक आलू की फसल की देखरेख अत्यंत आवश्यक है।